लिंग मानदंडों में बदलाव के माध्यम से बेहतर
शैक्षणिक परिणामों के लिए छात्रों का सशक्तिकरण

स्कूलों के लिए
जेण्डर प्रशिक्षण मॉड्यूल

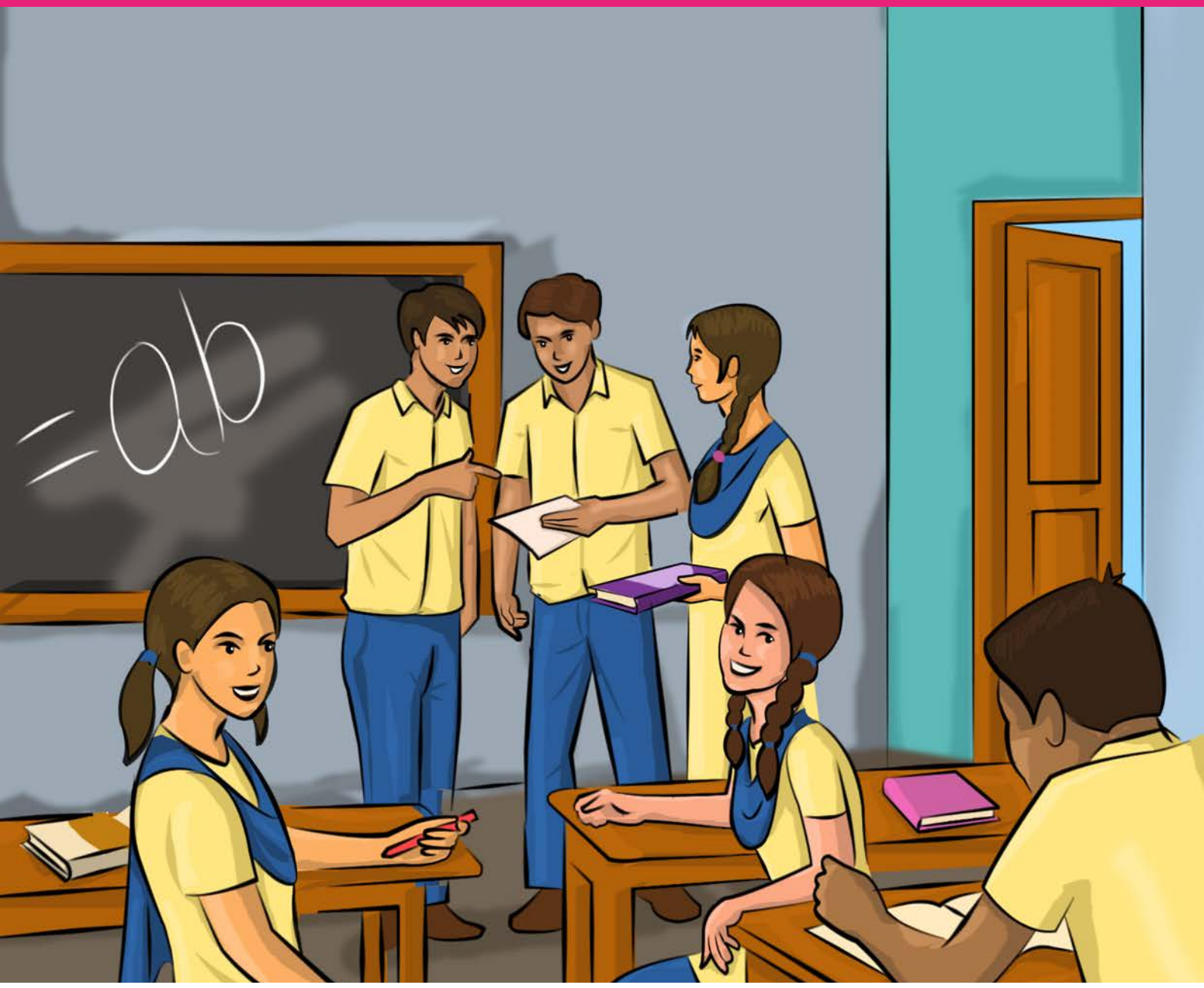

RELAXO FOUNDATION

mamta-himc
bridge to health & beyond

जागृति

unicef

Contributors:
Mr. Murari Chandra
Ms. Sumitra Dhal Samanta
Mr. Neeraj Kumar
Mr. Rahul Sharma

Technical input, UNICEF
Ms. Antara Ganguli
Ms. Roshni Kapoor

Published by

MAMTA Health Institute for Mother and Child, New Delhi

© 2018, MAMTA Health Institute for Mother and Child, New Delhi, India

This document may be reproduced in whole or in part without permission of MAMTA Health Institute for Mother and Child, provided full source citation is given and the reproduction is not for commercial purposes

Illustrations, Design and Printing 3P Solutions (www.3psolutionsindia.com)

विषय सूची

क्र.स.	विषय	पृष्ठ संख्या
0	**प्रशिक्षक के लिए दिशानिर्देश**	04
1	**परियोजना की पृष्ठभूमि** • परियोजना के उद्देश्य	05
2	**सत्र 1** • परिचय • पसंद और नापसंद	06–07
3	**सत्र 2** • लिंग को समझना	08–10
4	**सत्र 3** • उत्पादक और प्रजनन भौतिक लैंगिक भूमिकाएँ	11–14
5	**सत्र 4** • काम का दोहरा भार	15–17
6	**सत्र 5** **लिंग आधारित भेदभाव** • क्या परिवार में भेदभाव मौजूद है? • क्या स्कूल और समाज में भेदभाव मौजूद है?	18–24
7	**सत्र 6** **पितृसत्ता और शक्ति संबंध** • पितृसत्ता क्या है? • भूमिका और शक्ति बदलना	25–27
8	**सत्र 7** **लिंग आधारित भेदभाव का मूल कारण** • शक्ति, भेदभाव का आधार • क्या दिखाई देता है, और क्या अदृश्य है? • संस्थानों को समझना।	28–31
9	**सत्र 8** **हम क्या कर सकते है?** • चलिए अपने स्कूल को देखते हैं	32–34

खेलकूद द्वारा सीखने के दृष्टिकोण के माध्यम से:
सूचना, चर्चा, खेल, गतिविधि, कहानी, फिल्म

प्रशिक्षक के लिए दिशानिर्देश

- प्रशिक्षक को अपने लक्ष्य और सत्र की रुपरेखा के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए।
- प्रशिक्षण से पहले सत्र के बारें में जानकारी पढ़े और खुद को तैयार करें।
- प्रशिक्षक को संबंधित सत्र के विषय के लिए पूर्णतः तैयार होना चाहिए। उसे विषय पर व्याख्या/चर्चा/विश्लेषण/स्पष्टीकरण होना चाहिए। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करें कि जहां भी उन्हें संदेह है वें उसके बारें में पूछें और प्रत्येक संदेह को दूर करे।
- प्रशिक्षक को प्रशिक्षण के लिए कुछ आधारभूत नियम तय करने की आवश्यकता है जिसका पालन सभी प्रतिभागियों द्वारा किया जायेगा। मोबाइल फोन को बंद या शांत रखे!
- प्रशिक्षक प्रतिभागियों से वार्ता करें, उन्हें सहज बनाने और सत्र में शामिल और सहभागी करने का प्रयास करे। वातावरण को हमेशा जीवंत बनाये रखने और समय पर नियंत्रण के साथ मनोरंजक बनाए रखने की कोशिश करें।
- कोई व्यक्तिगत टिप्पणी न करें और ऐसी टिप्पणियों की अनुमति न दें।
- प्रशिक्षक सत्र की एक सूची तैयार करे। उसे आसान विषय के साथ सत्र शुरू करके और धीरे–धीरे कठिन सत्र की ओर आगे बढ़े और सत्र के महत्वपूर्ण पहलुओं को दोहराएं।
- प्रतिभागियों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए, विभिन्न अध्ययन सामग्री और ऑडियो विजुअल उपकरण का उपयोग करें।
- प्रत्येक सत्र में विभिन्न प्रकार की संचार सामग्री होनी चाहिए, जिसका प्रयोग स्पष्टीकरण, प्रश्न और उत्तर, समूह चर्चा, खेल, पोस्टर या फ्लिप चार्ट, ऑडियो–विजुअल उपकरण और गतिविधि आधारित होना चाहिए।
- प्रशिक्षक को सत्र सहभागी और जीवंत बनाना चाहिए। प्रतिभागियों को ध्यान से सुनें और प्रत्येक बिंदु पर चर्चा करें।
- सत्र, जिसे शुरू करने से पहले उस सत्र के बारे में शुरुआत में परिचय दिया जाना चाहिए। पिछले सत्र के साथ वर्तमान सत्र को संबंधित करें।
- सभी सत्रों का सारांश तैयार करें और प्रतिक्रिया लें।
- अगले सत्र के संदर्भ के लिए प्रतिभागियों (यदि कोई हो) के लिए संबंधित हैंडआउट सामग्री वितरित करें और आगे की कार्यवाही के लिए योजना बनाएं।

प्रोजेक्ट की पृष्ठभूमि

लिंग समानता का दृष्टिकोण लागू करके लड़कियों और लड़कों के बीच शैक्षणिक समानता में सुधार वैश्विक प्राथमिकता के रूप में उभर रहा है। इसने शैक्षणिक योजना और प्रबंधन (यूनेस्को आईआईईपी, 2015) में लिंग समानता पर जोर देने के साथ लिंग–उत्तरदायी नीतियों और योजनाओं को विकसित करने के लिए संबंधित सरकारों की पैरवी की है। प्रतिबद्धता को बनाये रखते हुए, भारत सरकार की हाल की शिक्षा नीति–2017, बेहतर शैक्षणिक परिणामों के लिए मानक और सांस्कृतिक एकीकरण द्वारा लिंग और सामाजिक अंतराल को कम करने पर केंद्रित है। यह सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) जैसे विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में अच्छी तरह से परिलक्षित होता है। इसके अलावा, लड़कियों और लड़कों के जीवन कौशल में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम (एईपी) और आरकेएसके की शुरूआत की गई है ताकि वें अपने शैक्षणिक प्रदर्शन, स्वास्थ्य और आजीविका के संबंध में उचित निर्णय ले सके जिससे वर्ष 2030 तक एसडीजी के तहत प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में लिंग असमानता को समाप्त करने के मिस्ड एमडीजी को प्राप्त किया जा सके।

उपर्युक्त पृष्ठभूमि पर, हरियाणा राज्य ने लैंगिक अंतर को कम करने और शैक्षणिक परिणामों में सुधार करने के लिए कई पहल की हैं। सामाजिक समावेश, बेहतर बुनियादी ढांचे और अकादमिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम लागू किया जा रहा है। इसके अलावा, हालहीं में सरकार ने मोबाइल कारवां की शुरुआत की है जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में लड़कियों को आगे लाकर लिंग असमानता के अंत पर ध्यान केंद्रित करने के साथ लड़कियों के प्रति दृष्टिकोण के लिए लोगों को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

प्रोजेक्ट के उद्देश्य

- लैंगिक न्यायसंगत दृष्टिकोण पर छात्रों के ज्ञान और जागरूकता को बढ़ाना।
- सहायक स्कूल पर्यावरण बनाने के लिए शिक्षकों का बेहतर ज्ञान और कौशल प्रदान करना।
- किशोरों द्वारा सीखे लिंग समान व्यवहार (भूमिका परिवर्तन) का समर्थन करने के लिए अभिभावको का बेहतर कौशल
- इस सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में परिवर्तित लिंग मानदंडों के लिए बने हस्तक्षेपों को बडे पैमाने पर लागू करने के लिए साक्ष्य निर्माण।

सत्र 1

परिचय

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का लक्ष्य प्रतिभागियों को सत्र के महत्व के बारें में समझाना है।	1.1, पसंद और नापसंद	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणामः

सत्र के अंत तक, प्रतिभागी यह पहचान करने में सक्षम हो जाएंगे कि

- घर पर उनकी पसंद और नापसंद किस प्रकार लिंग भेदभाव की ओर ले जाती है जो कि व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है।
- स्कूल के छात्रों के बीच लिंग समानता में सुधार करने के लिए हरियाणा सरकार की प्राथमिकताएं

गतिविधीः 1.1 मेरी पसंद– नापसंद

सहजकर्ता के लिए नोट्स

- सहजकर्ता प्रतिभागियों से भेंट करें और उन्हें सूचित करें कि आज वें एक दिलचस्प खेल खेलेंगे।
- प्रतिभागियों से उनके घर के बारें में 2 पसंद और 2 नापसंद कार्यों की सूची बनाने के लिए कहें।
- फिर उन्हें यह लिखने का सुझाव दें कि वास्तव में वे घर पर कौन सी तीन चीजें करते हैं।
- लड़कियों को बड़े समूह के साथ अपनी प्रतिक्रिया साझा करने का सुझाव दें।
- एक बार यह पूरा हो जाने के बाद लड़कों को उनके जवाब साझा करने का सुझाव दें।

(यदि स्कूल सह–शैक्षिणिक नहीं है, तो सहजकर्ता लड़कों को उनकी बहनों और इसके विपरीत के बारे में उल्लेख करने का सुझाव दे सकते है)

एक बार दोनों समूह द्वारा उनके विचार साझा कर लेने के बाद उन्हे लड़कियों और लड़कों के पसंद एवं वास्तविक काम में देखे गये मतभेदों का उल्लेख करने के लिए सुझाव दें। उन्हें सुझाव दें कि हमारे लिंग विशिष्ट पसंद और काम के विभाजन से हमारे जीवन पर कई तरह के प्रभाव हो सकते है। यह हमारे व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय प्रगति को प्रभावित करते है। सत्र के 10 घंटों के दौरान, जिसे साप्ताहिक आधार पर आयोजित किया जाएगा, हम विभिन्न प्रकार के खेलों व्यायाम और केस स्टडीज के माध्यम से अधिक जानकारी एकत्रित करेंगे। सभी सत्रों को एड्यूटेनमेंट मोड में डिजाइन किया गया

अब उनसे समस्त सत्रों में भाग लेने के वचन के बारें में पूछें जो उनके स्वयं के विकास में मदद करेगा।

सत्रः 1.1 मुझे क्या पसंद है और क्या नापसंद है।

घर पर	
2 बातें जो मुझे घर पर करना पसंद है।	2 बातें जो मुझे घर पर करना नापसंद है।
1.	1.
2.	2.
वें तीन बातें जो मैं वास्तव में/अधिकतर समय घर पर करता हूँ	
1.	
2.	
3.	

सत्र 2

लिंग को समझना

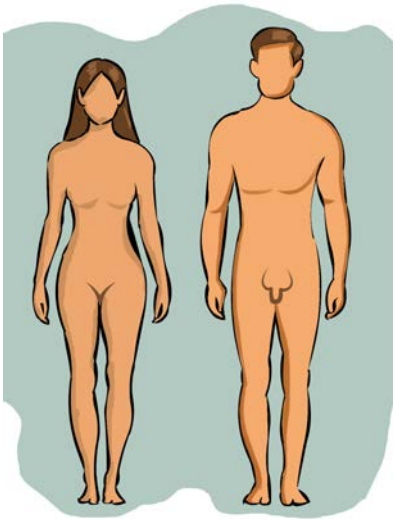

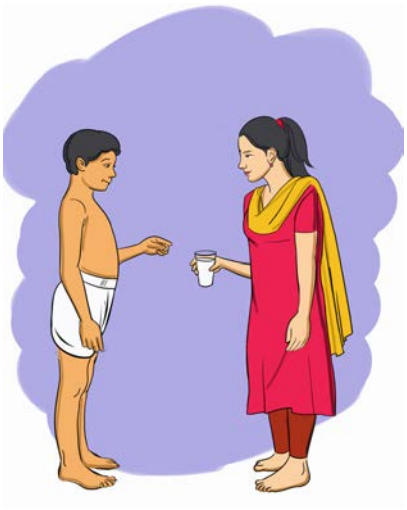

परिचय

यह अध्याय लिंग/जेन्डर पर विस्तृत समझ प्रदान करता है। जेन्डर, पुरुषों और महिलाओं की विशेषताओं को पहचानने के लिए एक सामाजिक निर्माण है। लिंग उनके प्रति सामाजिक रूप से निर्मित स्वीकार्य दृष्टिकोण के आधार पर पुरुषों और महिलाओं के बीच एक अंतर है। लिंग पहचान का सामाजिक निर्माण होने से वह तरल और परिवर्तनीय है। इस अध्याय की गतिविधियां मानव निकायों, सामाजिक दृष्टिकोण और मान्यताओं के जैविक और सामाजिक पहलुओं पर जोर देगी। अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागी मौजूदा सामाजिक मानदंडों और पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए निर्धारित जिम्मेदारियों को जानने में सक्षम होंगे।

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य लिंग की धारणा को समझना है।	2.1, पूर्व सूचीबद्ध लिंग भूमिका और कथन, हैंड़आउट 2.1.1	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणामः

सत्र के अंत तक, प्रतिभागी यह समझने में सक्षम हो जाएंगे–

- लिंग भूमिकाएं वें भूमिकाएं हैं जो समय, स्थान और समाज के साथ बदलती हैं।
- जैविक भूमिकाएं तय होती हैं और यह समय, स्थान और समाज की भिन्नता के बावजूद समान रहती है!

गतिविधीः 2.1 लिंग–ब्लेंडर

सहजकर्ता के लिए नोट्स

- सहजकर्ता द्वारा विद्यार्थियों का अभिवादन किया जाये और उन्हें बताये कि आज वें पुरुष और महिला के बीच अंतर को समझने की कोशिश करेंगे

- छात्र जेन्डर–ब्लेंडर नामक एक गेम खेलेंगे।
- कक्षा के कमरे में दो दीवारों की पहचान करें, एक दीवार का नाम सामाजिक बॉक्स और दूसरे का नाम बायोलॉजिकल बॉक्स होगा।
- अब उन्हें बतायें कि आप स्टेटमेंट पढ़ेंगे और सभी छात्रों को यह तय करना होगा कि क्या यह एक सामाजिक बॉक्स है या बायोलॉजिकल बॉक्स है और उसी प्रकार उन्हें कक्षा में अपनी स्थिति बदलनी है।
- उन्हे समझाएं कि सामाजिक बॉक्स के स्टेटमेंट वें हैं जो समय, स्थान और संस्कृति के अनुसार बदल सकते हैं। जबकि बायोलॉजिकल बॉक्स के स्टेटमेंट वे हैं जो कभी भी समय, स्थान और संस्कृति के अनुसार बदलते नहीं है।
- अब एक–एक करके स्टेटमेंट को पढ़ना शुरू करें (हैंडआउटः 2.1.1 में उल्लेखित) और बताए गए अनुसार उन्हें स्टैंड (स्थान) लेने के लिए सुझाव दें।
- प्रत्येक कथन के पूरा होने के साथ, उन्हें यह चर्चा करने का सुझाव दें कि वे अपने सामाजिक बॉक्स या जैविक बॉक्स के बारें में क्या सोचते हैं। चर्चा करने पर अगर कोई अपना पक्ष बदलना चाहते है तो उन्हें ऐसा करने का सुझाव दें और पूछें कि उन्होंने अपना पक्ष क्यों बदल दिया ।
- इस बात पर जोर दें कि **"गतिविधि के दौरान कोई सही या गलत जवाब नहीं है"** और गतिविधि का उद्देश्य मौजूदा लिंग और जैविक मतभेदों पर विचार–विमर्श करना है। यह गतिविधि कक्षा के सुरक्षित वातावरण में होगी और एक जिम्मेदार वयस्क द्वारा शुरू की जाएगी यानी सहजकर्ता/स्कूल सलाहकार या शिक्षक द्वारा।
- सभी बयानों को पढ़ने और चर्चा के बाद, अधिकांश प्रतिभागियों को लिंग और जीवविज्ञान की अवधारणा के करीब होना चाहिए और उसी प्रकार दीवार पर आदान–प्रदान/स्थानांतरित होने चाहिए। यह कुछ मामलों में भिन्न हो सकता है, जो ठीक है।

हैन्डआउट – 2.1.1 कथन

लड़कियाँ	लड़के
• लड़कियाँ विनम्र होती हैं। • महिलाएँ बच्चों को स्तनपान करा सकती हैं। • महिलाएँ रचनात्मक और कलात्मक होती हैं। • महिलाओं में मासिक धर्म होता है। • युवावस्था के दौरान महिलाओं की आवाज टूटती नहीं है • महिलाएँ गर्भवती होती हैं और बच्चा पैदा करती हैं। • महिला ही है जो असली "घर निर्माता" होती है। • शिशु की देखभाल महिलाओं की जिम्मेदारी है। • महिलाएँ भारी वजन नहीं उठा सकती हैं। • महिलाएँ बाहर का काम करने से डरती हैं। • महिलाएँ भावनात्मक होती हैं। • महिलाओं के लंबे बाल होते हैं • खाना बनाना महिलाओं का क्षेत्र है। • महिलाओं को सुंदर होना चाहिए। • महिला वास्तविक "गृह निर्माता" हैं। • महिलाओं को खेल पसंद नहीं होता हैं। • महिलाएँ घर पर रहना पसंद करती हैं। • लड़कियाँ बहुत तेज दौड़ नहीं सकती हैं। • ज्यादातर शिक्षक महिलाएँ हैं।	• पुरुष तार्किक और विश्लेषणात्मक होते हैं। • असली पुरुष रोते नहीं हैं। • पुरुषों की आवाज युवावस्था में टूट जाती है। • पुरुषों के मूंछें होती हैं। • पुरुष ज्यादा समझदार होते हैं। • पुरुषों के छोटे बाल होते हैं • अधिकांश वैज्ञानिक पुरुष हैं। • पुरुषों को कमाने वाला होना चाहिए। • सभी पुरुष प्रकृति से क्रोधी होते हैं। • पुरुष शक्तिशाली होते हैं। • पुरुष परिवार के मुखिया होते हैं। • पुरुष कुछ भी कर सकते हैं, यह ठीक है। • पुरुषों का सम्मान किया जाना चाहिए। • पुरुषों के अहंकार को चोट नहीं पहुंचनी चाहिए। • पुरुषों में शिशन होता है। • पुरुषों में अंडकोश होते है। • लड़कों में कंठ भारी होता है।

गतिविधि के अंत में, सहजकर्ताओं को इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि वें सामाजिक भूमिकाएं और जिम्मेदारियां जो बदल सकती हैं उन्हें जेन्ड़र कहा जाता है और जिन्हे नहीं बदला जा सकता हैं उन्हें सेक्स कहा जाता है।

संसाधन नोट

लिंग / सेक्सः सेक्स मानव शरीर के बीच एक जैविक अंतर है। जैविक विशषताएँ जैसे कि शरीर के विभिन्न अंग, यौन और प्रजनन भाग एक महत्वपूर्ण संरचना है जो हमें नर और मादा मानव शरीर के बीच अंतर करने में मदद करती है। यह किसी भी परिस्थिति में परिवर्तित नहीं हो सकती है।

जेन्डरः जेन्डर पुरुष और महिला के बीच एक सामाजिक भिन्नता की विशेषता है। जेन्डर शब्द पुरुषों और महिलाओं की उन विशेषताओं को संदर्भित करता है जो जैविक रूप से निर्धारित किए गए लोगों के विपरीत सामाजिक रूप से निर्धारित होते हैं। यह सामाजिक–धार्मिक व–सांस्कृतिक रुप से स्वीकार्य दृष्टिकोण और पुरुषों और महिलाओं के व्यवहार को परिभाषित करता है, जिसमें समाज द्वारा पुरुषों और महिलाओं के साथ जुड़े या सौंपे गये विशेशाधिकार और बाधाएं शामिल हैं। यह स्थिति के अनुसार बदल सकते हैं।

सत्र 3

उत्पादक और प्रजनन लिंग भूमिकाएं

पूर्णतः सहमत | थोड़ा सहमत | थोड़ा असहमत | पूर्णतः असहमत

परिचय

पिछले अध्याय में, हमने सीखा कि लिंग एक सामाजिक निर्माण है। तो चलिए, हम लिंग मानदंडों की स्थापना के लिए जिम्मेदार विभिन्न पहलुओं को समझें। यह अध्याय विभिन्न प्रकार की लिंग भूमिकाओं पर जोर देता है जो हम अपने दैनिक जीवन में देखते हैं। इसके अलावा, प्रतिभागी उत्पादक और प्रजनन लिंग भूमिकाओं को समझने में सक्षम होंगे जिन पर इस अध्याय में चर्चा की गई जिसमें इनके साथ जुडी बाध्यता, जिम्मेदारियां और स्टीरियोटाइप भी शामिल हैं। एक व्यक्ति से किस प्रकार कार्य करने, बोलने और संचालन करने की उम्मीद एवं स्वीकृति होती है उसे लिंग भूमिका के रूप में जाना जाता है। उत्पादक भूमिकाएं ऐसी भूमिकाएं हैं जिनमें एक व्यक्ति को उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए नकद या इस प्रकार का कोई भुगतान मिलता है। दूसरी तरफ, परिवार, समाज और मानव अस्तित्व के लिए जरूरी भूमिकाएं प्रजनन भूमिकाएं हैं, जिसका कोई वित्तीय मूल्य नहीं होता है। फलस्वरूप, विचार प्रक्रिया सर्वोच्चता, मूल्यवान, शक्ति और पितृसत्ता की भावना की ओर ले जाती है। इस अध्याय की गतिविधियां रूढ़िवादी लिंग आधारित कार्य विभाजन और कार्य के संबंधित बोझ और इसके साथ जुड़े मुद्दों को उजागर करती हैं।

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य उत्पादक और प्रजनन लिंग भूमिकाओं को समझना है।	3.1, रंगीन कार्ड्स 6 3.2, हैंडआउट 3.2.1	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणामः

सत्र के अंत तक, प्रतिभागी समझने में सक्षम हो जाएंगे कि –

- भूमिकाओं का सामाजिक विभाजन पुरुषों और महिलाओं के बीच समाज में भूमिकाओं और जिम्मेदारी के पक्षपातपूर्ण विभाजन की ओर ले जाता है।
- व्यक्ति की विशेषज्ञता और इच्छा को नजर अंदाज कर पुरुषों को अधिक उत्पादक भूमिकाएं और महिलाओं को प्रजनन भूमिका सौंपी जाती हैं।
- महिलाओं के पास अधिक काम भार होने के बावजूद उत्पादक भूमिका के कारण पुरुषों को समाज में अधिक महत्व और सम्मान दिया जाता है।
- भूमिकाओं का विभाजन पुरुषों और महिलाओं के बीच भेदभाव का मूल कारण बन जाता है।

गतिविधीः 3.1 लिंग–भूमिकाएं

सहजकर्ता के लिए नोट्स

प्रतिभागियों के साथ निम्नलिखित बयान साझा करें: "आज भी समाज में पुरुषों और महिलाओं के बीच जो काम का विभाजन है (जैसेः उत्पादक, प्रजनन और सामुदायिक भूमिका)। यह समाज का आसान संचालन के लिए आवश्यक है"

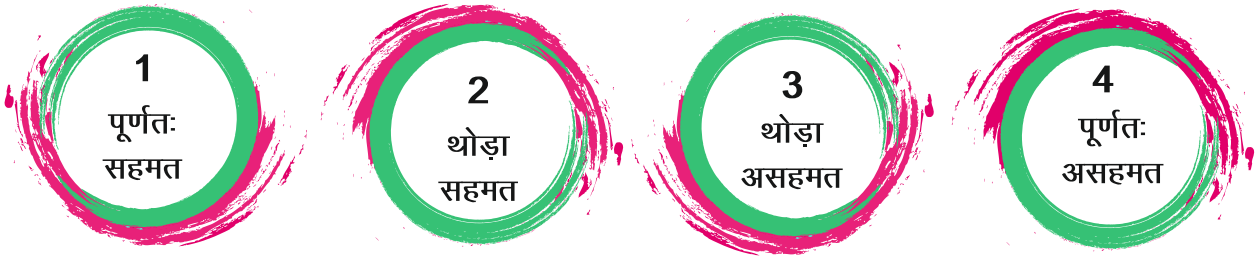

- अब फर्श पर एक रेखा खींचें और उसे छः हिस्सों में विभाजित करें और प्रतिभागियों को उपर्युक्त कथन के साथ सहमति या असहमति के अनुसार उन बिंदुओं पर खड़े होने का अनुरोध करें।
- मूल्य गेम आयोजित करते समय सहजकर्ता सबसे पहले प्रतिभागियों से लाइन में खड़े होने के लिए कहे और फिर वें अपने अंक/विकल्प चुनें क्योंकि अक्सर वे दूसरों के चयन के आधार पर बिंदु चुनते हैं। इसलिए, इस अभ्यास के दौरान कमरे में पर्याप्त जगह होना महत्वपूर्ण है। यह भी देखें कि यदि कोई प्रतिभागी अकेला खड़ा है, तो उसे स्थान/स्थिति लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- प्रतिभागियों से विशेष बिंदु चुनने के पीछे अपने विचार और कारण साझा करने के लिए कहें।
- पुरुषों और महिलाओं के बीच इस तरह की लिंग भूमिका में भेदभाव के परिणामों पर चर्चा करें।
- अगली गतिविधि में हम देखेंगे कि इस तरह का विभाजन किस प्रकार कार्य से लिंग विभाजन को प्रभावित कर सकता है।

गतिविधी: 3.2 मेरे दिमाग में क्या आता है!

कौन क्या करता है? भुगतान वाला काम और बिना भुगतान वाला काम!

सहजकर्ता के लिए नोट

- प्रतिभागियों से उनके क्षेत्र और समाज में कुछ भूमिकाओं जैसे माली, शिक्षक, नर्स इत्यादि लिखने के लिए कहें।
- एक बार सभी द्वारा लिख लेने के बाद एक छात्र को सभी भूमिकाओं को इकट्ठा करने का सुझाव दें।
- हैंडआउट–3.2.1 में लिखे अनुसार चार्ट पेपर/ब्लैक बोर्ड/फ्लिप चार्ट पर सभी भूमिकाएं लिख लें। यदि कोई महत्वपूर्ण भूमिका शामिल नहीं हुई है, तो प्रतिभागियों के साथ चर्चा करने के बाद उन्हें शामिल करने का प्रयास करें।
- छात्रों से यह बताने के लिए कहें कि मुख्य रूप से कौन सी भूमिका पुरुषों द्वारा और कौन सी भूमिका महिलाओं द्वारा निभायी जाती है।
- यदि सुझाई गई भूमिका में कोई विवाद या समस्या है, तो इसे बहुमत के आधार पर या अधिकतर देखे जाने के आधार पर रखें।

हैन्डआउट – 3.2.1

समाज में भूमिका	पुरुष	महिला
पुलिस	✓	
डॉक्टर	✓	
प्रोफेसर	✓	
टीचर	✓	
वकील	✓	
घर में रसोईया		✓
मिलिट्री में अधिकारी	✓	
जज	✓	
पायलट	✓	
वैज्ञानिक	✓	
होटल में रसोईया	✓	
नौकरानी		✓
वाहन चालक	✓	
नर्स	✓	✓
इंजीनियर	✓	
मैनेजर	✓	
दूधवाला	✓	
टैक्सी चालक	✓	
कंडक्टर	✓	
कृषक	✓	
मजदूर	✓	
व्यापार	✓	
कुल संख्या	**19**	**3**

अभ्यास के पूरा होने पर प्रतिभागियों को चार्ट देखने और विश्लेषण करने के लिए कहे।

- पुरुष ज्यादातर किस प्रकार के काम कर रहे हैं।
- महिलाएं ज्यादातर किस प्रकार के काम कर रही हैं।
- क्या उन्हें लगता है कि पुरुष ऐसे काम कर रहे हैं जो कि अधिक उत्पादक हैं जो उन्हें समाज में सम्मान, धन और महत्व प्रदान करवाते है।
- क्या उन्हें लगता है कि महिलाओं के काम की प्रकृति अधिक प्रजनन संबंधी, गैर–मौद्रिक और कम महत्व की है।
- क्या उन्हें लगता है कि इस तरह के कार्य विभाजन से समाज में भेदभाव पैदा हो रहा है, जहां पुरुषों को अधिक शक्ति सौंपी जाती है और महिलाओं को कम शक्ति और सम्मान दिया जाता हैं।
- अब प्रतिभागियों के साथ गतिविधि 3.1 दोहराएं और उन्हें एक बार फिर से चर्चा करने का सुझाव दें।
- अगर प्रतिभागी अभी भी रूढ़िवाद समझ दिखाते हैं तो यह गतिविधि अलग–अलग सत्र में दोबारा करवाएं।
- गतिविधि को यह निष्कर्ष निकालते हुए समाप्त करें कि श्रम का मौजूदा विभाजन समाज में लिंग आधारित भेदभाव पैदा कर रहा है।
- पुलिस, न्यायाधीश, प्रोफेसर और डॉक्टर आदि नौकरियों में महिलाओं की कम संख्या में उपलब्धता, महिलाओं और समाज के लिए और अधिक समस्या पैदा कर सकती है।

गतिविधि पूरी होने पर प्रतिभागियों को यह उल्लेख करने के लिए कहें कि कौन अधिक काम करता है, पुरुष या महिलाएँ?

प्रतिक्रिया की सूची दें और सुझाव दें कि अगले सत्र में हम कार्य भार का लिंगवार विभाजन देखेंगे।

सत्र 4

कार्य का दोहरा भार

परिचय

पिछले अध्याय में, हमने सीखा कि पुरुषों को वह काम सौंपा गया है जो अधिक उत्पादक है, लेकिन महिलाओं के पास प्रजनन कार्य अधिक हैं। उत्पादक कार्य अधिक महत्व और सम्मान से जुड़ा हुआ है, हालांकि प्रजनन कार्य उत्पादक की तुलना में कम महत्व रखता है। इस अध्याय में, हम देखेंगे कि महिलाओं के कार्य को कम महत्व दिया जाता है, लेकिन उन पर कार्यभार अधिक है।

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य पुरुषों एवं महिलाओं के कार्यभार को समझना है।	4.1, हैन्डआउट 4.1.1, चार्ट पेपर, मार्कर पेन, 4.2.1, फिल्म हीरो नम्बर–1	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणामः

सत्र के अंत तक प्रतिभागी यह समझने में सक्षम हो जाएंगे कि –

- महिलाओं के पास अधिक कार्य भार होने के बावजूद उत्पादक भूमिका के कारण पुरुषों को समाज में अधिक महत्व और सम्मान दिया जाता है।
- प्रजनन भूमिकाओं को कम महत्व दिया जाता है, लेकिन वे हमारे जीवन की प्रगति के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गतिविधी: 4.1 मेरे घर की कार्यसूची!

सहजकर्ता के लिए नोट

- अपने परिवार में दो ऐसे प्रमुख व्यक्तियों की पहचान करें, एक पुरुष और एक महिला जो मुख्य रूप से कार्य में शामिल होते है।
- प्रतिभागियों को सुबह से लेकर सोने के समय तक की सभी गतिविधियों को सूचीबद्ध करने के लिए कहें।
- व्यक्तिगत या समूह अभ्यास के लिए छात्रों को हैन्डआउट वितरित करें या सहजकर्ता द्वारा चार्ट पेपर या ब्लैक बोर्ड पर भी किया जा सकता है।

हैन्डआउट – 4.1.1

दैनिक कार्य	घर का काम	पुरुष	महिला
प्रातः 4 से 6	घर, बर्तन की सफाई		✓
	झाड़ू लगाना		✓
प्रातः 6 से 8	पूजा करना		✓
	खाना पकाना		✓
	बच्चों की देखभाल, खिलाना		✓
प्रातः 8 से 10	काम, कार्यालय जाना (6–9 घंटे)	✓	✓
दोपहरः 12 से 2	गांव की बैठक, पंचायत में चर्चा	✓	
	खाना पकाने और परोसने		✓
	रसोई की सफाई		✓
प्रातः 2 से 4	अतिथियों की देखभाल करना		✓
	वृद्ध सदस्यों की दवा और देखभाल		✓
	कपड़े और बर्तन की धुलाई		✓
सांयः 4 से 6	घर का सामान लाना	✓	✓
	पशुओं की देखभाल करना	✓	✓
	पशुओं को खिलाना	✓	✓
	मवेशियों का दूध निकालना	✓	✓
	पानी भंडारण		✓
	घर का कामः झाड़ू लगाना		✓
	रसोई की तैयारी		✓
रात्रिः 6 से 8	खाना पकाना		✓
	गावं की बैठक, पंचायत में चर्चा	✓	
	बच्चों को पढ़ाना	✓	✓
रात्रिः 8 से 10	परिवार के सदस्यों को खाना खिलाना		✓
	अगले दिन के लिए तैयारी		✓
रात्रिः 10 से 12	सोने जाना	✓	✓
	गतिविधियों की संख्या	**09**	**23**

- चर्चा करें, कि मोटे तौर पर कितनी गतिविधियों में पुरुष और महिलाएँ शामिल रहते हैं।
- प्रतिभागियों को यह एहसास दिलाएं कि यद्यपि महिलाएं कड़ी मेहनत करती हैं, फिर भी उनके काम को महत्व और सम्मान नहीं दिया जाता है।
- उन्हे यह चर्चा करने का सुझाव दें कि यदि महिलाएं अपनी गतिविधि ठीक से नहीं करें तो क्या उन्हे ऐसा लगता है कि पुरुष अपनी उत्पादक गतिविधियों को ठीक से करने में सक्षम होंगे।
- प्रतिभागियों से पूछें कि हम इस स्थिति को बदलने के लिए क्या कर सकते हैं। चार्ट पेपर पर सभी प्रतिक्रियाओं को सूचीबद्ध करें।
- एक बार चर्चा पूरी हो जाने पर उन्हें वीडियो हीरो नंबरः 1 दिखाएं (यदि वीडियो प्रस्तुति का प्रावधान है)। वीडियो को टैबलेट, बड़ी स्क्रीन वाले मोबाइल और ऑडियो सिस्टम से जोड़कर भी प्रक्षेपित किया जा सकता है।

सहजकर्ता के लिए नोट

- फिल्म के बाद, इस बारे में चर्चा करें कि उन्हे फिल्म के बारें में क्या लगा।
- प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित करें और उन्हें कहें कि वें अपने परिवार, समाज और स्कूल में हीरो नम्बर–1 बनने के लिए क्या कर सकते हैं।
- चर्चा खत्म होने के बाद उन्हें बड़े समूह के साथ अपनी राय साझा करने का सुझाव दें।

प्रतिभागियों के लिए गृहकार्य

प्रत्येक प्रतिभागी को रिक्त हैंडआउट 4.1.1 दें और उन्हें अपने इलाकों में रहने वाले 10 परिवारों में लड़कियों और लड़कों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का उल्लेख करने के लिए कहें।
उन्हें अगले सत्र में आवृत्ति चार्ट के साथ आने का सुझाव दें जिसमें निम्न शामिल हो–
ए) घर में लड़की और लड़कों द्वारा की जाने वाली गतिविधियां
बी) घरेलू गतिविधियों की प्रकृति जिनमें वे शामिल हैं।

प्रतिभागियों को सुझाव दें कि अगले सत्र में हम चर्चा करेंगे कि

ये कार्य विभाजन किस प्रकार भेदभाव पैदा कर रहा है और युवा पुरुषों और महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका को प्रभावित कर रहा है?

सत्र 5

लिंग आधारित भेदभाव

परिचय

लिंग और इससे दृढ़ संबंधित भूमिका परिवार, स्कूल और समाज में सभी स्तरों पर लिंग आधारित भेदभाव की ओर ले जाती है। यह अध्याय विभिन्न स्तरों पर होने वाले लिंग–आधारित भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारें में प्रतिभागियों को समझाने पर केंद्रित है। इस अध्याय की गतिविधियां एक शिक्षार्थी को लिंग आधारित भेदभाव से संबंधित मुद्दों को समझने और भावनात्मक रूप से अनुभव करने में और यह किस प्रकार सामाजिक विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं विशेष रूप से लड़कियों/महिलाओं के लिऐ यह समझने में मदद करेगी। यह अध्याय हिंसा के रूपों पर भी जोर देता है। कोई भी ऐसा कृत्य हिंसा है जो खतरों, धमकी, उपेक्षा और असुविधा के रुप में प्रकट होती है, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दोनों रुप में। इसके अलावा, यह चर्चा करता है कि हिंसा शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक और यौन हो सकती है। यह अध्याय शिक्षार्थियों को अपने व्यक्तिगत अनुभवों को यह समझने में मदद करेगा कि क्या वे हिंसा कर रहे हैं/देख रहे हैं।

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिंग आधारित भेदभाव के बारें में जागरुक करना है।	केस स्टडी 5.1.1	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणामः
सत्र के अंत तक, प्रतिभागी यह समझने में सक्षम हो जाएंगे कि –
- क्या भूमिकाओं का विभाजन घर और स्कूल में भेदभाव का कारण बनता है।
- लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा के प्रकार
- लिंग आधारित हिंसा और भेदभाव का प्रभाव
- विभिन प्रकार की हिंसा को संबोधित करने के लिए गांव, ब्लॉक और जिले में उपलब्ध सहायता प्रणाली।

होमवर्क पर प्रभाव
एक बार जब छात्र अपने गृहकार्य के साथ उपस्थित होते हैं, तो उनमें से कुछ को अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने का सुझाव दें।

एक बार फिर उनके गृहकार्य को सारांशित करते हुए दर्शाएं कि लड़कियां अधिक घंटे काम करती हैं।

इसके अतिक्ति लड़कियों का कार्य अधिकतर प्रजनन संबंधी और परिवार में सहयोग करने का होता है जबकि लडके मुख्य रूप से उत्पादन कार्य में लगे होते हैं।

गतिविधीः 5.1 क्या भेदभाव मौजूद है।

सहजकर्ता के लिए नोट्स
- कक्षा में सभी छात्रों की उपस्थिति में हैंडआउट 5.1.1 में दी गई केस स्टडी को पढ़ें। कहानी सभी को समझ आ गयी है यह सुनिश्चित करने के लिए सभी से कहानी के बारें में प्रतिक्रिया जानें।
- छात्रों को तीन समूहों में विभाजित करें और समूह चर्चा के लिए 5 मिनट के लिए प्रश्न वितरित करें।

समूह 1:
- अतिरिक्त जिम्मेदारियां राधा की शिक्षा को किस प्रकार प्रभावित करेंगी?
- क्या आपको लगता है कि परिवार में अलग–अलग जिम्मेदारियां बांटी जा सकती थीं?
- आपकी राय में यह काम का जैविक विभाजन है या सामाजिक?
- यदि हां, तो ऐसा क्यों नहीं किया गया था?
- क्या आप अपने क्षेत्र में राधा जैसे किसी भी अन्य व्यक्ति को जानते हैं।

समूह 2:
- अतिरिक्त जिम्मेदारियां राधा के शारीरिक स्वास्थ्य को किस प्रकार प्रभावित करेंगी?
- क्या आपको लगता है कि परिवार में अलग–अलग जिम्मेदारियां बांटी जा सकती थी?
- आपकी राय में यह काम का जैविक विभाजन है या सामाजिक?
- यदि हां, तो ऐसा क्यों नहीं किया गया था?
- क्या आप अपने क्षेत्र में राधा जैसे किसी भी अन्य व्यक्ति को जानते हैं।

समूह –3:
- अतिरिक्त जिम्मेदारियां राधा के मानसिक स्वास्थ्य को किस प्रकार प्रभावित करेंगी?
- क्या आपको लगता है कि परिवार में अलग–अलग जिम्मेदारियां बांटी जा सकती थी?
- आपकी राय में यह काम का जैविक विभाजन है या सामाजिक ?
- यदि हां, तो ऐसा क्यों नहीं किया गया था?
- क्या आप अपने क्षेत्र में राधा जैसे किसी भी अन्य व्यक्ति को जानते हैं।

केस स्टडी: 5.1.1
(प्रतिभा के साथ उत्कृष्टता नहीं कर सकते)

राधा एक छोटे से शहर की 13 वर्षीय लड़की है। उसके पिता एक व्यापारी हैं इसलिए वह बहुत यात्रा करते है। उसके दो भाई हैं जो उससे बड़े हैं और एक उससे छोटा है। राधा कक्षा 7 में अध्ययन कर रही है और वह पढाई में बहुत अच्छी है। कुछ दिन पहले उसकी माँ गिर गई और उनके पैर में मोच आ गयी। डॉक्टर ने माँ को आराम करने के लिए कहा। राधा के पिता ने उसे कुछ समय के लिए स्कूल छोड़ने और अपनी माँ की देखभाल करने के साथ–साथ घरेलू काम और अपने छोटे भाई की देखभाल करने के लिए कहा। परीक्षाएँ आ रही थीं लेकिन राधा को अपने परिवार की जरूरतों को देखना पड़ा और घरेलू काम की जिम्मेदारी लेनी पड़ी, इसलिए उसे अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। लेकिन, राधा ने परीक्षा में बैठने का फैसला किया। जब परिणाम आए, तो उसका परिणाम अच्छा नहीं आया था।

सहजकर्ता के लिए नोटः

सत्र को यह कह कर समाप्त करें कि अगले सत्र में हम देखेंगे कि स्कूल और इलाके में भेदभाव किस प्रकार मौजूद है और यह लड़कियों और लड़कों को कैसे प्रभावित करता है।

गतिविधीः 5.2 क्या स्कूल और समाज में भेदभाव मौजूद है!

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिंग आधारित भेदभाव के बारें में जागरुक करना है।	केस स्टडी 5.2.1,	कुल 1.00 घंटा

सहजकर्ता के लिए नोट्स

- प्रतिभागियों से पिछले सत्र के दौरान की गई चर्चा को साझा करने के लिए कहें। उल्लेख करें कि लिंग आधारित भेदभाव परिवार और समाज स्तर पर मौजूद हैं।

- आज हम देखेंगे कि भेदभाव किस प्रकार हिंसा की ओर ले जाता है।
- सभी छात्रों की उपस्थिति में कक्षा में हैंडआउट 5.2.1 में दी गए केस स्टडी को पढ़ें। सभी को कहानी समझ आ गयी है यह सुनिष्चित करने के लिए सभी से कहानी के बारे में प्रतिक्रिया जानें।

हैंडआउटः 5.2.1
केस स्टडी

मंजू एक गांव की 14 साल की लड़की है। उसके माता–पिता कृषि श्रमिक के रूप में काम करते हैं। वह नजदीकी गांव के सरकारी स्कूल में 8वीं कक्षा में पढ़ती है, जो उसके घर से करीब डेढ़ किमी. दूर है। पिछले कुछ दिनों से, स्कूल जाने और स्कूल से वापस जाने के दौरान रोज कुछ मनचले लडकों ने उसे आवाज दी, कुछ अच्छा नहीं बोला और सीटी बजाई। मंजू परेशान है और चुपचाप सी रहती है। वह हर दिन स्कूल भी नहीं जा रही है। उसकी दोस्त अनु ने उसमें बदलाव देखा और मंजू से पूछा कि क्या उसके साथ कुछ हुआ है। मंजू ने बताया कि किस प्रकार स्कूल में लड़कों द्वारा उसके साथ छेड़छाड़ की जा रही है। इसके अलावा, मंजू ने बताया कि वह डर गई है, पढाई में ध्यान नहीं दे पा रही है और अगर इस स्थिति में उसके पक्ष में सुधार नहीं होता है तो जल्द ही वह अध्ययन छोड़ सकती है।

छात्रों को दो लड़के और दो लड़कियों के चार समूहों में विभाजित करें। अगर यह केवल लड़के या लड़कियों का स्कूल है, तो उन्हें दिये गये रोल के अनुसार समूह अभ्यास पूरा करने की सलाह दें।

समूह –1: (लड़कियां)
- क्या आपको लगता है कि यह मंजू के प्रति भेदभाव है या लड़के और लड़कियों का आपस में प्राकृतिक आकर्षण?
- क्या आपके इलाके में भी मंजू की तरह का कोई मामला है? नाम और पहचान का उल्लेख करे और बड़े समूह के साथ इसे साझा करें।
- समाज में लड़कियों को अन्य किस प्रकार के भेदभाव/हिंसा/जुर्म/अपराध का सामना करना पड़ता है। नोटबुक या चार्ट पेपर पर सभी लिखें?
- ये भेदभाव और हिंसा मंजू के जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है?

समूह –2: (लड़के)
- क्या आपको लगता है कि यह मंजू के प्रति भेदभाव है या लड़के और लड़कियों का आपस में प्राकृतिक आकर्षण?
- क्या आपके इलाके में भी मंजू की तरह का कोई मामला है? नाम और पहचान का उल्लेख किये बिना बड़े समूह के साथ इसे साझा करें।
- समाज में लड़कियों को अन्य किस प्रकार के भेदभाव/हिंसाध्जुर्म/अपराध का सामना करना पड़ता है। नोटबुक या चार्ट पेपर पर सभी लिखें।
- ये भेदभाव और हिंसा मंजू के जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है।

समूह –3: (लड़कियां)
- लड़कियां इस प्रकार के भेदभाव का सामना क्यों करती हैं?
- इस तरह के भेदभाव और हिंसा को संबोधित करने के लिए आपके गांव, स्कूल, ब्लॉक और जिले में किस प्रकार की सहायता प्रणाली उपलब्ध है?
- भेदभाव और हिंसा को रोकने के लिए लड़कियां क्या कर सकती हैं?

समूह –4: (लड़के)
- लड़कियां इस प्रकार के भेदभाव का सामना क्यों करती हैं?
- इस तरह के भेदभाव और हिंसा को संबोधित करने के लिए आपके गांव, स्कूल, ब्लॉक और जिले में किस प्रकार की सहायता प्रणाली उपलब्ध है?
- भेदभाव और हिंसा को रोकने के लिए लड़कियां क्या कर सकती हैं?

सहजकर्ता के लिए नोट

- समूह 1 और 2 द्वारा जिन बिन्दुओं पर चर्चा की जा रहीं है उसको समझाने के लिए हैंडआउट 5.2.2 का उपयोग करें कि मंजू को परेशान किया जा रहा है या यह प्राकृतिक आकर्षण है:
- प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के भेदभाव और हिंसा पर सूचित करने के लिए हैंडआउट 5.2.3 का उपयोग करें, जबकि समूह 1 और 2 विभिन्न प्रकार के लिंग आधारित भेदभाव की सूची बना रहे हैं।
- लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा की रिपोर्ट करने के लिए उपलब्ध विभिन्न समर्थन प्रणालियों के बारे में प्रतिभागियों को सूचित करने के लिए हैंडआउट 5.2.4 का उपयोग करें।
- बाल यौन दुर्व्यवहार पर कोमल नामक वीडियो चलाएँ: छात्रों को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श को समझने के लिए और वे इस तरह की स्थिति में किस प्रकार प्रतिक्रिया दें।

हैन्डआउट – 5.2.2: लिंग आधारित उत्पीड़न, क्या यह प्राकृतिक है?

प्रतिभागियों को बताएं कि मंजू कैसा महसूस कर रही थी जब उसे लड़कों द्वारा परेशान किया जा रहा था, अच्छा या बुरा। उन्हें समझाएं कि कानून के अनुसारए उत्पीड़क की मंषा/व्यवहार कुछ भी हो और अगर महिला यदि उत्पीड़ित महसूस कर रही है तो इसे यौन उत्पीड़न कहा जाता है और उत्पीड़क के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

1) मुझे पसंद नहीं है! अनवेलकम (UNWELCOME) एक मुख्य शब्द है।
2) उत्पीड़क की मंषा यौन उत्पीड़न निर्धारित करने में योग्य नहीं है।
3) मायने यह रखता है कि उसका उत्पीड़ित के व्यवहार और कार्य वातावरण पर किस प्रकार का प्रभाव होता है।

हमेशा खुद से पूछें:

- क्या आपका व्यवहार आपके स्कूल और गांव आदि में लोगों को अपमानित या चोट पहुंचा सकता है?
- क्या दूसरे द्वारा आपके व्यवहार की यौन दुर्व्यवहार के रूप में व्याख्या की जा सकती है?
- क्या आप दूसरों द्वारा अपने व्यवहार पर चर्चा करना चाहते हैं?
- क्या आप अपने दोस्त, पति/पत्नी, बच्चे या भाई के प्रति भी इसी प्रकार का व्यवहार चाहते हैं?

ये सब आपको अपनी कार्यवाही के बारे में यह निर्णय लेने में मदद करेगा कि क्या वह यौन उत्पीड़न है या नहीं।

व्याख्या करने के बाद, प्रतिभागियों से यह पूछें कि यदि व्यक्ति को परेशान किया जा रहा है, तो व्यक्ति को क्या करना चाहिए।

अपने प्रतिभागियों के साथ निम्नलिखित 'तीन आर' कि अवधारणा साझा करें:

1. रिस्पॉन्ड (प्रतिक्रिया दे) उत्पीड़क से व्यवहार को रोकने के लिए कहें
2. रिकॉर्ड: इस घटना के बारे में नोट्स रखें कि घटना कहां, कब और किस समय हुई थी और घटना के समय कोई गवाह था।
3. रिपोर्ट: मना करने के बावजूद यदि वह आपको परेशान करता है तो अपने पर्यवेक्षक (शिक्षक) या अभिभावक/स्कूल शिकायत कमेटी को घटना की जानकारी दें।

हैन्डआउट – 5.2.3: लिंग आधारित भेदभाव के प्रकार

महिलाओं/लड़कियों के खिलाफ हिंसा विभिन्न रूप लेती है। इसे व्यापक रूप से निम्नलिखित के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, हालांकि यह सूचक है और एक संपूर्ण सूची नहीं है।

सामाजिक दुर्व्यवहार:
इसे बाल विवाह, सती प्रथा दहेज की मांग और मौत, सामाजिक और धार्मिक प्रतिबंध, घर से निकालना आदि के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

भावनात्मक शोषण:
प्यार, देखभाल, स्नेह, सहानुभूति और प्रशंसा का अभाव और चुनाव की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, तानाकशी, अपमान, धमकाना, अनदेखा करना और मानसिक पीड़ा और अलगाव आदि सभी को भावनात्मक दुर्व्यवहार में शामिल किया गया है, जो कि गैर–मूर्त है, इसलिए इसे साबित करना बहुत मुष्किल होता हैं।

आर्थिक दुर्व्यवहार:
शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने में अवसरों की कमी जैसे कारक, वित्तीय संसाधन प्रदान नहीं करना या वित्तीय निर्णय आदि में शामिल नहीं होना, आदि आर्थिक दुर्व्यवहार के रूप है जिसके फलस्वरूप महिलाओं के पास सीमित विकल्प होते हैं।

शारीरिक शोषण:
जब भी हम हिंसा के बारे में सोचते हैं तो हिंसा का जो सबसे आम रूप किसी के दिमाग में आता है वह है: शारीरिक क्रूरता। उदाहरण के लिए मारना, चांटा मारना, लात मारना और हाथ को घुमा देना, भोजन, कपड़े और दवा से वंचित करना, जानलेवा चोट और यहां तक कि काम का अत्यधिक बोझ आदि।

यौन शोषण:
संभोग, जननांग उत्परिवर्तन, बाल वेश्यावृत्ति, जबरन अश्लील फिल्म दिखाना, यौन उत्पीड़न, बलात्कार, व्यावसायिक यौन शोषण के लिए मजबूर करना आदि सभी महिलाओं के यौन शोषण के रूप हैं।

परिवार

अध्यापक

आशा

सामाजिक कार्यकर्ता

पुलिस

हैन्डआउट – 5.2.4: लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा की रिपोर्ट करने के लिए किन लोगों से संपर्क किया जाना चाहिए और परामर्श लेना चाहिए

परिवार स्तर	स्कूल स्तर	ग्राम/समुदाय स्तर	ब्लॉक स्तर	जिला स्तर
अभिभावक	प्रधानाध्यापक	आशा वर्कर	ब्लॉक विकास अधिकारी	बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी)
दादा दादी	टीचर	एएनएम	पुलिसः 100	जिला शैक्षिक अधिकारी (डीईओ)
परिवार के ट्रस्ट के सदस्य	स्कूल प्रबंधन समिति	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता	आईसीडीएस सीडीपीओ, पर्यवेक्षक	बाल हेल्पलाइन नम्बरः 1098
		पंचायत प्रमुख/सदस्य		महिला हेल्पलाइन संख्याः 1091
				महिला थानाः रोहतकः 012620271091, 8199001091 झज्जरः 01251 252061, 8930111091
				व्हाट्सएपः झज्जर पुलिस –8930500677 रोहतक पुलिसः 9996464100
				हरियाणा महिला राज्य आयोगः 0172–2584039, 2583639
				पुलिस अधीक्षकः झज्जरः 01251–252049 रोहतकः 01262–228114
				राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टलः 08882552093

छात्रों के लिए गृहकार्य

- छात्रों को एक पोस्टर तैयार करने का सुझाव दें, जिसमें यह बताया जाएं कि लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा की रिपोर्ट करने के लिए किससे परामर्श और संपर्क किया जाए और इसे स्कूल में ऐसे स्थान पर लगाया जहां अधिकतम छात्रों द्वारा यह दिखाई दें।
- छात्र को व्यक्तिगत रूप से पूछें कि वें सबसे ज्यादा किस पर भरोसा करते हैं। उसके बैग में आपातकालीन आवश्यकता के लिए संपर्क नंबर सहित संपर्क व्यक्ति/संस्था की पर्ची रखें।

सत्र 6

पितृसत्ता और शक्ति संबंध

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य प्रतिभागियों को ''शक्ति संबंध'' और हमारे लिंग आधारित क्रियाओं को नियंत्रित करने वाले सामाजिक नियमों के बारें में समझाना है।	6.1, हैन्डआउट: 6.1.1 6.2, ड्रामा/रोल प्ले	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणाम:
सत्र के अंत तक, प्रतिभागी समझने में सक्षम होंगे कि –

- पावर रिलेशन/शाक्ति संबंध भेदभाव और हिंसा पैदा कर रहा है।
- मानदंड/नियम शक्ति संबंधों का समर्थन कर रहे हैं।

हैन्डआउट – 6.1 पितृसत्ता क्या है?

सहजकर्ता के लिए नोट

सभी प्रतिभागियों को 5–6 सदस्यों के छोटे समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह, कार्ड पर पूर्व–लिखित निम्नलिखित में से दो कथनों पर चर्चा करें:

- पुरुषों/महिलाओं की स्थिति के बारे में ये कथन क्या दर्शाते हैं?
- इन प्रथाओं और मान्यताओं को कायम रखने में विभिन्न परिवार, स्कूल और मीडिया की क्या भूमिका है?
- ऐसे लिंग–आधारित अनुक्रम से कौन लाभान्वित होता है।
- यदि वें कहते है कि पुरुषों ने लाभ उठाया है, तो उन्हें फिर से सोचने और चर्चा करने के जिए कहें और इसका उल्टा भी सोचिये
- समूहों के सभी प्रतिभागियों से अपने भाव साझा करने के लिए कहें और उसके बाद, निम्नलिखित पर चर्चा करें

हैन्डआउट – 6.1.1 कथन

• पिता/पुरुष सदस्य परिवार के मुखिया और सम्मानजनक होते है। • घर में मुख्य निर्णय पता लेते है। • पिता परिवार के लिए पैसा लाता है। • बच्चे के लिए पिता का नाम महत्वपूर्ण है। • महिलाएं अकेले बच्चे को पाल नहीं पाल सकती हैं। • महिलाओं को परिवार के लिए हिंसा सहन करनी चाहिए। • महिलाएं और शराब पुरुषों को महिलाओं के खिलाफ हिंसा करने के लिए प्रेरित करती हैं • पुरुष परिवार अनुष्ठान और परंपरा को आगे बढ़ाते है। • महिलाओं को परिवार के लिए अपना कैरियर बलिदान कर देना चाहिए।	• पुत्र अपने बुजुर्ग माता–पिता का ख्याल रखता है। • एक बच्चे को पिता का उपनाम मिलता है। • विवाह के बाद एक महिला अपने माता–पिता का घर छोड़ देती है। • एक महिला दूसरी महिला की सबसे बुरी दुश्मन है। • एक महिला की जगह घर में है। • लड़के रोते नहीं हैं। • केवल पुरुष पुजारी हो सकते हैं। • परिवार के लिए कमाना एक आदमी का कर्तव्य है। • महिलाओं को पुरुष के साथ पहचाना जाना चाहिए, पिता, भाई, पति, बेटा

गतिविधीः 6.2 भूमिका परिवर्तन खेल

सहजकर्ता के लिए नोट

- कुछ प्रतिभागियों को रोल प्ले गतिविधि करने के लिए चुनें।
- शेष प्रतिभागियों को निरीक्षण करने के लिए बोले। रोल प्ले के बाद इस बात पर चर्चा की जाएगी कि विभिन्न स्थानों पर भूमिका कैसे बदलती है। यह एक लिंग मुद्दा है।
- नाटक एक पुरुष चरित्र के आसपास होना चाहिए जो एक सहायक स्टाफ के रूप में कार्यालय में काम कर रहा है। जब वह कार्यालय से वापस आता है तो वह आराम से बैठता है, पत्नी से चाय, पानी मांगता है, जब चाय का स्वाद उसके स्वाद के अनुसार नहीं होता है तो वह दुरुपयोग करता है। वह घर पर पत्नी, बहन, बेटी और मां से सेवा लेता है। दूसरी तरफ, जब वह कार्यालय जाता है तो वह टेबल साफ करता है, चाय तैयार करता है और महिला अधिकारी की सेवा करता है और जब वह उसे उसकी गलतियों के लिए डांटती है, तो विनम्र हो जाता है।
- रोल प्ले समाप्त होने पर प्रतिभागियों को चर्चा करने का सुझाव दें।
- वही व्यक्ति घर पर महिलाओं से दुर्व्यवहार करता है, जबकि वह महिला अधिकारी के सामने विनम्र बन जाता है।
- क्या यह उनके समाज में भी सच है। क्या उन्होंने इस तरह के पुरुषों को देखा है।
- क्या उन्हे लगता है कि पुरुष और महिला के बजाय सत्ता ही भेदभाव और हिंसा का मुख्य स्रोत है।

प्रतिभागियों के लिए होमवर्क

प्रतिभागियों को लिखने का सुझाव दें कि उनकी राय में शक्ति/सत्ता का स्रोत क्या है और लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करने के लिए उन्हें क्या करना चाहिए?

गतिविधि को यह कहते हुए समाप्त करें कि सामाजिक मानदंड पुरुषों या महिलाओं के लाभ के लिए शक्ति/सत्ता संबंधों पर आधारित है। हमारे समाज में, यह पुरुषों के पक्ष में अधिक झुका हुआ है। अगली गतिविधि में, हम देखेंगे कि कैसे शक्ति/सत्ता संबंध लिंग आधारित भेदभाव को और बढ़ाते हैं।

सत्र 7

लिंग आधरित भेदभाव का मूल कारण

परिचय

संस्थान लिंग/जेन्ड़र के मुख्य वाहक हैं। यह अध्याय विभिन्न संस्थानों पर ध्यान केंद्रित करता है, जो 'लिंग/जेन्डर' का निर्माण करती है। संस्थान एक विशिष्ट समुदाय में मनुष्यों का एक संरचित सामाजिक क्रम है जो लिंग भूमिकाओं और व्यवहार को परिभाषित करता है और उनकी रक्षा करता है। कई संस्थान मानव अभिव्यक्ति और भूमिकाओं पर नियंत्रण करते है जैसे कि परिवार और विभिन्न संस्थान व्यापा रूप से धार्मिक भूमिकाओं पर नियंत्रण करते हैं। इस अध्याय कि गतिविधियां प्रतिभागियों को विभिन्न सामाजिक संस्थानों के बारे में, इन संस्थानों द्वारा निर्मित सत्ता संबंधों और कुछ संस्थानों की लिंग से जुड़ी सोच के बारे में सूचित करती है।

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिंग आधारित भेदभाव के मूल कारणों के बारे में समझाना है।	7.1, सूची में से चिट्स चरित्र के लिए निर्देश, मौजूदा सामाजिक वक्तव्य	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणामः

सत्र के अंत तक, प्रतिभागी यह समझने में सक्षम हो जाएंगे कि –

भेदभाव पुरुषों और महिलाओं के बीच शक्ति के भेदभावपूर्ण विभाजन के कारण होता है।

- यह हमारी लिंग आधारित विचार, राय, सोच और अवधारणा है जो पुरुषों और महिलाओं के बीच भेदभाव की ओर ले जाती है।
- सामाजिक और शैक्षणिक संस्थान हमारी लिंग आधारित राय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को संबोधित करने के लिए व्यक्तिगत स्तर के अलावा सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों में बदलाव की आवश्यकता है।

गतिविधीः 7.1 पावर वॉक, भेदभाव का आधार

सहजकर्ता के लिए नोट्स

- प्रतिभागियों को पावर वॉक नामक रोचक गेम के लिए तैयार करें
- सूची में से, प्रत्येक चरित्र पर चिट तैयार करें।

पुरुष चरित्र	महिला परित्र
पुरुष डॉक्टर	महिला डॉक्टर
पुरुष सरपंच	महिला सरपंच
ग्रामीण आंगनवाड़ी कार्यकर्ता	गरीब बेरोजगार ग्रामीण पुरुष
गरीब ग्रामीण पुरुष	गरीब ग्रामीण महिला
निरक्षर दलित आदमी	निरक्षर दलित महिला
शहरी कामकाजी आदमी	शहरी कामकाजी महिला
तीन बेटियों के पिता	तीन बेटियों की माता
पुरूष श्रमिक	महिला श्रमिक
अविवाहित आदमी	अविवाहित महिला
स्नातक छात्र	स्नातक छात्रा

- प्रत्येक प्रतिभागी को लॉटरी आधार पर चिट वितरित करें एवं किसी भी व्यक्ति को चिट नहीं दिखाने के लिए निर्देश दें।
- प्रतिभागियों को एक पंक्ति पर खड़े होने के लिए कहें और सहजकर्ता द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने को कहे। निर्देश के आधार पर, उन्हें चित्र में वर्णित चरित्र के रूप में महसूस करना है और उसके अनुसार व्यवहार करना है।
- सहजकर्ता से कथन के साथ, यदि दिए गए चरित्र में प्रतिभागियों को लगता है कि वह ऐसा करने में सक्षम है तो एक कदम आगे ले जाएं। अगर चरित्र ऐसा करने में असमर्थ महसूस करता है या डरता है, तो एक कदम पीछे ले जाएं।

चरित्र के लिए निर्देश कथन

यदि आप साइकिल चलाना जानते हैं, तो आगे बढ़ें या फिर एक कदम पीछे जाएं।
क्या आप कंप्यूटर संचालित करना जानते हैं।
क्या आप जानते हैं कि राशन कार्ड या सरकारी लाभ के लिए ब्लॉक पर किससे संपर्क करना है।
क्या आप अकेले अन्य शहर या जगह पर यात्रा कर सकते हैं।
क्या आप जानते हैं कि एक नई जगह में अकेले कैसे रहना है।
क्या आप स्वास्थ्य समस्या के लिए अस्पताल जा सकते हैं।
क्या आप वाहन चला सकते हैं।
क्या आप दोस्तों के साथ पार्टी कर सकते हैं।
यदि आप एक हवाई जहाज में बैठे है।
यदि आप विदेश गए हैं।
क्या आप अवसरों पर बहुत पैसा खर्च कर सकते हैं।
अगर आप काम करना बंद कर दें, फिर भी एक महीने या उससे भी ज्यादा समय तक खर्चे की कोई समस्या नहीं है।
यदि आप घरेलू सामान खरीदने के लिए बाजार में अकेले जा सकते हैं?
यदि आप शौकीन/फुर्सत की वस्तुओं पर अपना पैसा खर्च कर सकते हैं?
यदि आप दोस्तों के साथ/अवकाश गतिविधियों में समय व्यतीत कर सकते हैं (पार्टी के बजाए)
यदि आप स्कूल जाने/उच्च शिक्षा का चुनाव कर सकते हैं।
यदि आप घर पर आप जो काम करना चाहते हैं उसे चुन सकते हैं (या कुछ भी नहीं)
यदि आप अपने जीवन के साथ कुछ भी कर सकते हैं

- तेजी से चलने वाले समूह विजेता हैं और गर्व, आत्मविश्वास, उपलब्धि और दूसरों की स्थिति के लिए लापरवाह महसूस कर रहे हैं। दूसरी तरफ, आखिरी समूह हारता है, एवं उसमें निराशा की भावना, आत्मविश्वास की कमी, हारने की भावना हैं।
- चर्चा करें: वे समाज में दो समूहों में अंतर कैसे देखते हैं और क्या उन्हें लगता है कि यह गरीबी, प्रथाओं, संस्कृति, निरक्षरता या पुरुषों और महिलाओं के बीच शक्ति के वितरण के कारण है।
- क्या उन्हें लगता है कि यह समाज और परिवार के लिए अच्छा है जहां पुरुषों में अधिक और महिलाओं में शक्ति कम होती हैं?

चर्चा के बाद, प्रतिभागियों को सूचित किया जाएगा कि अगले अध्याय में हम देखेंगे कि हम इस तरह की स्थिति का हल कैसे कर सकते हैं। चर्चा के बाद, प्रतिभागियों को सूचित किया जाएगा कि अगले अध्याय में हम देखेंगे कि हम इस तरह की स्थिति का हल कैसे कर सकते हैं।

मैं सोचती रह गई काश,
मुझे सारे अवसर मिले होते।

मुझे सारे अवसर
मिले हैं।

गतिविधीः 7.2 दृश्य एवं अदृश्य खेल

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिंग आधारित भेदभाव के मूल कारणों के बारें में समझाना है।	7.2, पेड़ की आकृति, अदृष्य एवं अदृष्य कार्ड़	कुल 1.00 घंटा

सहजकर्ता के लिए नोट

- प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित करें, एक समूह से यह जाने कि समाज में लिंग आधारित भेदभाव क्या है, उदाहरण के लिए दहेज, बेरोजगारी इत्यादि।
- दूसरे समूह को भेदभाव के कारणों को सूचीबद्ध करने का सुझाव दें।
- प्रतिभागियों से सभी प्रतिक्रियाएं एकत्रित करें।

सहजकर्ता के लिए नोटः

चार्ट पेपर पर पेड़ का आरेख बनाएं, जो दृश्य और अदृश्य हिस्सों जैसे पत्तियों, तना को दृश्यमान और जड़ों को अदृश्य के रूप में दिखाते हैं।

- प्रतिभागियों को दिखाई देने वाले प्रतिक्रियाओं को पेड़ के ऊपरी हिस्से में और जो पेड़ की जड़ में अदृश्य उन्हे नीचे लगाने का सुझाव दें।

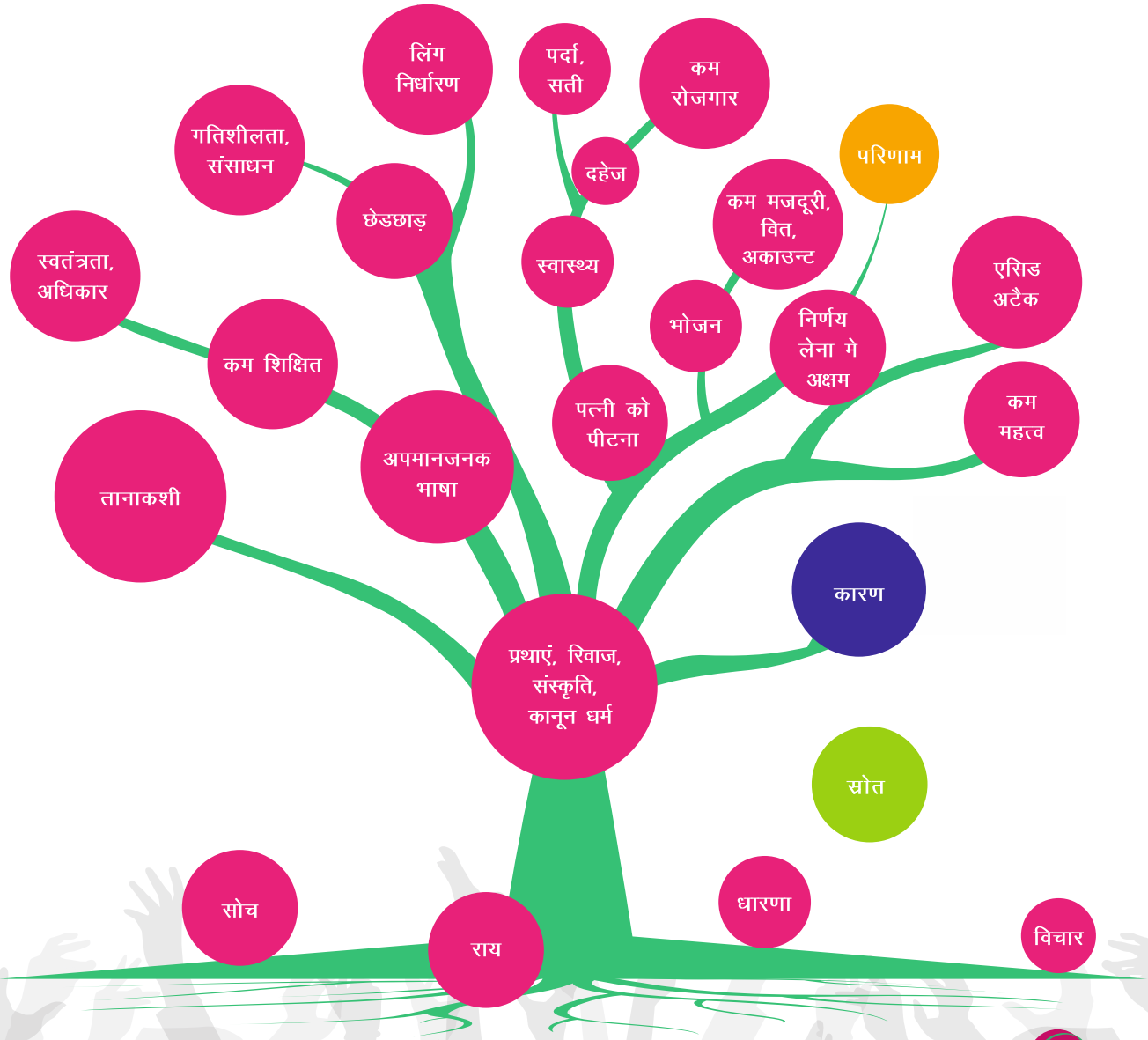

सहजकर्ता के लिए नोटः सहजकर्ता यह कहते हुए सारांशित करें कि समस्या का मूल कारण हमारे विचार और अवधारणा है। यदि सोच, विचार, राय यदि बदल जाएगी तो नकारात्मक लिंग परिणाम, सकारात्मक परिणाम में बदल जाएंगे।

कार्ड

दृश्य	अदृश्य
कानून	भावनाएं
संस्थान	मान्यताएं
धर्म	राय
प्रथा/अनुष्ठान	विश्वास

अगली गतिविधि में हम सीखेंगे कि हमारे विचार, राय, सोच को कौन प्रभावित कर सकता है और समाज में लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को संबोधित करने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

गतिविधीः 7.3 संस्थानों को समझना

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य लैंगिक भेदभाव को सामाजिक बनाने में संस्था और मीडिया की भूमिका को समझना है।	7.3, समाचार सामग्री, सोशल मीडिया के नमूने	कुल 1.00 घंटा

सहजकर्ता के लिए नोट

- प्रतिभागियों से पूछें कि हम लिंग नियम कहां से सीखते हैं। चार्ट पेपर पर सभी प्रतिक्रियाओं को सूचीबद्ध करें। कुछ उदाहरण परिवार, स्कूल, मीडिया, मोबाइल आदि हो सकते हैं।
- प्रतिभागियों से पूछें कि वें (अ) लोक गीत, कहानियां और नीतिवचन, फिल्म–विषयों, संवाद, (ब) पत्रिका, समाचार पत्र (स) मोबाइल उपयोग, व्हाट्सएप (Whatsapp) फेसबुक, इंस्टाग्राम (द) स्कूल की किताबें जिन्हें वे लैंगिक रूप से पक्षपातपूर्ण पाते हैं उनमें वे क्या देखते है।
- विचार मंथन के लिए प्रतिभागियों को 4 छोटे समूहों में विभाजित करें।
- विभिन्न स्रोतोंः परिवार, स्कूल, समाज और सोशल मीडिया से सीखे जाने वाले विभिन्न प्रकार के पितृसत्तात्मक मूल्य लिखें।
- देखें कि इन मीडिया में पुरुष और महिलाओ को किस प्रकार चित्रित किया जाता हैं और यह पुरुषों और महिलाओं के बारे में हमारी छवि को कैसे प्रभावित करते है?

आपस में चर्चा करने के लिए प्रत्येक समूह को निम्नलिखित प्रश्न प्रदान करें:

- इन संस्थानों ने महिला और पुरुष भूमिकाओं के बारे में क्या संदेश दिए हैं?
- इनमें से महिलाओं और पुरुषों के लिए कौन से सकारात्मक हैं, कौन से नकारात्मक हैं? क्यों?
- क्या उनमें से कोई भी लड़कों को विशेष रूप से प्राथमिकता और/या महिलाओं के लिए अधिक प्रतिबंध या कम भूमिका व्यक्त करता है?
- वे समाज में महिलाओं और पुरुषों के सम्पूर्ण विकास को कैसे प्रभावित करते हैं?
- क्या आपको लगता है कि इन प्रवृत्तियों को संशोधित करने की आवश्यकता है?
- आप परिवार, समुदाय और स्कूल जैसे सभी स्तरों पर इस प्रवृत्ति को कैसे संशोधित कर सकते हैं

सत्र 8

हम क्या कर सकते हैं

उद्देश्य	सामग्री	समय
इस अध्याय का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिंग आधारित भेदभाव को संबोधित करने के लिए कार्रवाई बिंदुओं को प्रतिबिंबित करने में मदद करना है।	हैन्डआउट 8.1.1: मुद्दे	कुल 1.00 घंटा

सीखने का परिणामः

सत्र के अंत तक, प्रतिभागी समझने में सक्षम होंगे कि –

- व्यक्तिगत, परिवार और स्कूल स्तर पर लिंग समानता के लिए क्या परिवर्तन करने की आवश्यकता है।
- अपने लिए कार्य बिंदु तैयार करें कि वे लिंग आधारित भेदभाव को कैसे संबोधित कर सकते है।

गतिविधीः 8.1 चलो हमारे स्कूल देखते हैं

सहजकर्ता के लिए नोट्स

- सहजकर्ता द्वारा प्रतिभागियों को सूचित करे कि उन्होंने पिछले सत्रों में लिंग मुद्दों का अध्ययन किया और उन्हें समझा है। अब, वे स्कूल में और उसके आस–पास घूमने जा रहे हैं और देखते हैं कि वे समान लिंग संबंधों के समर्थन एवं सहयोग में क्या महसूस करते हैं।
- प्रतिभागियों को बिन्दु लिखने का सुझाव दें।
- यदि प्रतिभागी कुछ बिंदु भूल गये है तो सहजकर्ता द्वारा हैंडआउट 8.1.1 का उपयोग करना चाहिए।

हैन्डआउट – 8.1.1 मुद्दे

शौचालय

- कार्यात्मक नहीं हैं, साफ नहीं हैं, शौचालय सुरक्षित नहीं है
- क्योंकि बंद नहीं होते हैं,
- लड़कों और लड़कियों के लिए एक ही शौचालय?

विद्यालय के बाहर, ताला बंद होने के कारण, पहुंच योग्य नहीं।

दीवार चित्रकला में पुरुष व्यक्तित्व है, शायद ही कोई महिला व्यक्तित्व है।

प्रेरणा और महिलाओं के सम्मान के लिए महिला उपलब्धि प्राप्त करने वाली महिलाओं की कोई चर्चा नहीं।

क्या छात्रों के बीच लिंग संवेदीकरण के लिए कोई विशेष सत्र/प्रयास हैः प्रार्थना कक्षा, शनिवार सत्र, उपलब्धियों पर समाचार पत्र हाइलाइट्स, अग्रणी प्रार्थना, शिकायत/सुझाव बॉक्स और मुद्दो का साप्ताहिक निस्तारण, बाल सुरक्षा नीति आदि को हाइलाइट करना आदि ?

लड़के स्वतंत्र रूप से बात कर रहे हैं, खेल रहे हैं और आनंद ले रहे हैं। लेकिन लड़कियां शर्मीली, शांत और फुसफुसा रही हैं।

लड़के, लड़कियों को चिढ़ा रहे हैं इसलिए लड़कियों को स्कूल में सहज महसूस नहीं हो रहा है।

किसी भी शिकायत के लिए कोई नामित शिक्षक नहीं है, यहां तक कि शिकायत पर भी ध्यान नहीं दिया जाता।

किसी भी छात्र द्वारा परिवार, स्कूल या समुदाय में परेशान होने पर तत्काल संपर्क के लिए कोई चार्ट प्रदर्शन नहीं।

- एक बार जब वे वापस आ जाएं तो उन्हें 5 समूहों में विभाजित होने और 4 महीने में लिंग समानता पर काम करने के लिए एक समस्या का चयन करने का सुझाव दें।
- सहजकर्ता द्वारा प्रगति की निगरानी करने के लिए प्रत्येक समूह के साथ मासिक बैठक आयोजित करनी चाहिए और परिवर्तन की सुविधा के लिए समूह के सदस्यों को आवश्यक सहायता प्रदान करनी चाहिए।
- स्कूल में चलें: प्रत्येक सत्र के बाद इसे करें, छात्र के समूह में लिंग मुद्दों की सूची बनाएं, छात्र के विशिष्ट समूह को विशिष्ट समस्या दें, प्रिंसिपल और स्कूल प्रबंधन के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करें और इस मुद्दे को हल करें। यदि समस्या अधिक समस्याग्रस्त है तो इसे स्कूल के सलाहकार को रिपोर्ट करें। स्कूल के सलाहकारों के माध्यम से, यह बीईओ, डीईओ और डीसी कार्यालय को सूचित किया जा सकता है और समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

सभी सत्रों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रतिभागियों का धन्यवाद करके सत्र समाप्त करें। 8 घंटे के सत्र को पूरा करने पर उनकी प्रतिक्रिया जानें। उनकी प्रतिक्रियाएं लिखें और उन्हें अपना संपर्क और फोन नंबर दें ताकि यदि आगे की जानकारी और सुझाव के लिए आवश्यक हो तो वे आपसे परामर्श कर सकते हैं।

म्हारे हरियाणे की शान, लड़का लड़की एक समान
जागृति मंच
RELAXO FOUNDATION
जागृति
unicef

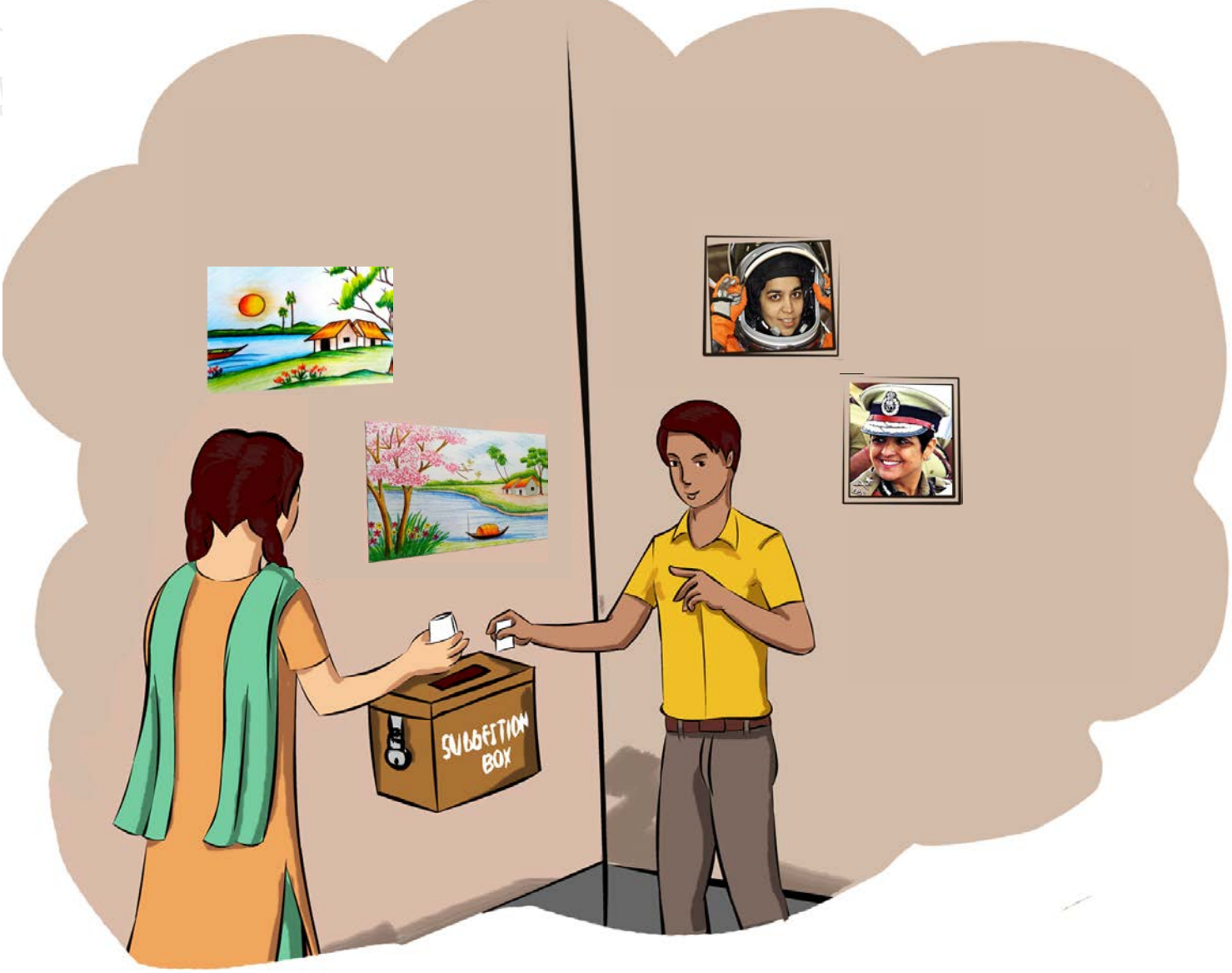
SUGGESTION BOX

शौचालय
शौचालय
USE ME

mamta-himc
bridge to health & beyond

MAMTA Health Institute for Mother and Child

B-5, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi 110048, India

t: +91 11 29220210/ 20/ 30, f: +91 11 29220575

www.mamta-himc.org

mamta@yrshr.org,
mamta@ndf.vsnl.net.in

MamtaHIMC

mamtaHIMC/

mamta-himc-b81590b8